

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	आषाढ़ 11, शुक्रवार, शाके 1943-जुलाई 2, 2021 <i>Asadha 11, Friday, Saka 1943- July 2, 2021</i>	

भाग 4 (ग)

उप-खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य-प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये (सामान्य आदेशों, उप-विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए) सामान्य कानूनी नियम।

**गृह (गुप-12) विभाग**

अधिसूचना

**जयपुर, जुलाई 02, 2021**

**जी.एस.आर.296 :-** राजस्थान राजभाषा अधिनियम, 1956 (1956 का अधिनियम संख्या 47) की धारा 4 के परन्तुक के अनुसरण में इस विभाग की अधिसूचना संख्या प.4(1)गृह-12/कारा/2021 दिनांक 02 फरवरी, 2021 का हिन्दी अनुवाद सर्वसाधारण की सूचनार्थ एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है:-

**राज्यपाल के आदेश से,**

**कैलाश चन्द,**

**शासन उप सचिव।**

(प्राधिकृत हिन्दी अनुवाद)

**अधिसूचना**

जयपुर, फरवरी 02, 2021

कारागार अधिनियम, 1894 (1894 का केंद्रीय अधिनियम सं. 9) की धारा 59 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार, राजस्थान कारागार नियम, 1951 में इसके द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:-

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.-** (1) इन नियमों का नाम राजस्थान कारागार (संशोधन) नियम, 2021 है।  
(2) ये तुरन्त प्रभाव से प्रवृत्त होंगे।

**2. भाग-9 के अनुभाग II के नियम 67 का संशोधन.-** राजस्थान कारागार नियम, 1951, जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियमों के रूप में निर्दिष्ट किया गया है, के भाग-9 के अनुभाग के विद्यमान नियम 67 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

**“67. भोजन पकाना.-** रसोइये, दैनिक प्रदाय जारी किये जाने के पश्चात् समस्त आवश्यक तैयारियां और प्रक्रियाएं करेंगे और सम्यक् सतर्कता और ध्यानपूर्वक भोजन तैयार करेंगे। छह मास या कम का कारावास भोग रहे अंतःवासी, जहां उपलब्ध हों, चावल साफ करने, सब्जियां छीलने और काटने, पकाने के बर्तन साफ करने और रसोई को साफ और स्वच्छ रखने में नियोजित किये जा सकेंगे। भोजन पकाने में लगे हुए अंतःवासियों का, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे किसी संक्रमण से ग्रसित नहीं हैं, नियमित रूप से परीक्षण किया जायेगा। रसोइयों के लिए उनके हाथ धोने के लिए

साबुन और पानी की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। वे भोजन पकाने और परोसने से पूर्व उचित और साफ वर्दी और एप्रेन पहनेंगे। भोजन को हाथ से छूना अवांछनीय है और इससे बचा जाना चाहिए। कोई अंतःवासी उसकी जाति या धर्म के आधार पर भोजन पकाने के लिए चयनित नहीं किया जायेगा।”

**3. भाग-10 के अनुभाग I के नियम 13 का संशोधन.-** उक्त नियमों के भाग-10 के अनुभाग I के विद्यमान नियम 13 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

**“13 सिद्धदोषों के कर्मकार के रूप में नियोजन पर निर्बन्धन.-** नियमित रूप से जैसे रसोइया, नाई, जल-धारी, सफाईकर्मी, आदि कर्मकारों की कुल संख्या, केंद्रीय जेल और 'क' और 'ख' वर्ग की जिला जेलों के अंतःवासियों की कुल संख्या के 10%, 'ग' वर्ग की जिला जेलों की कुल संख्या के 12% और 'घ' वर्ग की जिला जेलों की कुल संख्या के 15% से अधिक नहीं होगी। जब कारागार में अंतःवासियों की संख्या 50 से कम हो तो कर्मकार अधिकतम 20% तक नियोजित किये जा सकेंगे। विशेष मामलों में महानिदेशक उपर्युक्त विहित मापमान से अधिक कर्मकारों के नियोजन की मंजूरी देने के लिए प्राधिकृत है। किसी भी कर्मकार का उसकी जाति या धर्म के आधार पर चयन नहीं किया जायेगा। यदि जेल अधीक्षक, कर्मकारों का कार्य करने के लिए कैदियों की आवश्यक संख्या अभिप्राप्त करने में असफल रहता है, तो वह संदाय पर ऐसी संख्या में कर्मकार नियोजित कर सकेगा जो जेल के कार्य के लिए आत्यन्तिक रूप से आवश्यक हों। अस्पताल के परिचारक उन कैदियों में से चुने जायेंगे जिन्हें हल्के काम के लिए पास कर दिया गया है या जिन्होंने कम से कम अपना आधा दण्डादेश पूरा कर लिया हो। स्वास्थ्य लाभ करने या शिथिलांग दल में से कैदियों को चिकित्सा अधिकारी के आदेश के अधीन इस इयूटी पर लगाया जा सकेगा। यदि अस्पताल में बड़ी संख्या में गंभीर मामले हों तो 10 रोगियों के लिए एक परिचारक के अनुपात का अस्थायी रूप से बढ़ाया जा सकेगा। अधीक्षकों के लिए यह देखना आवश्यक है कि प्राधिकृत प्रतिशत से अधिक कैदियों को जेल के नौकरों के रूप में या सिद्धदोष अधिकारियों के रूप में नियोजित न किया जाए। यदि कर्मकार के रूप में नियोजित किसी सिद्धदोष के पास सारे समय करने के लिए काम न हो तो उसे उसके शेष समय के लिए किसी अन्य काम में लगा दिया जायेगा।”

**4. भाग-15 के अनुभाग I के नियम 27 का संशोधन.-** उक्त नियमों के भाग-15 के अनुभाग I के नियम 27 का विद्यमान खण्ड (घ) हटाया जायेगा।

[संख्या प.4(1)गृह-12/कारा/2021]

राज्यपाल के आदेश से,

एन.एल.मीना,

शासन सचिव।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।